TaiS. II. v. 5. 2; पूर्वार्धं च जघनार्धं चाणिष्ठौ करोति S'atBr. VIII. ii. 4. 20; तदाहुः कुतो यज्ञस्याणिष्ठमिति JaimiBr. 1. 258; त्रिषु नक्षत्राणि तस्मात् तान्यणिष्ठाणि JaimiBr. 2. 6; योऽणिष्ठस्तन्मनः ChāndoU. vi. 5. 1; स्त(? स्थ)विष्ठो मध्यमोऽणीयान् द्राघीयान् दक्षिणार्ध्योऽणिष्ठो ह्रसिष्ठ उत्तरार्ध्यः ĀpaS'S. i. 5. 10; HirS'S. i. 2. 62; MānS'S. 8. 16; ĀgniveGS. ii. 3. 1 (55. 10); वर्षिष्ठाणिष्ठयोरेषां लघूपोत्तममक्षरम् ṚPrāti. 17. 22; अणिष्ठा बहुपादानां भारद्वाजी पुरूतमम् ṚPrāti. 17. 31; TaiPrāti. 13. 11; ये त्वणिष्ठा धातवः … अन्तःकरणसंघातमुपचिन्वन्ति ChāndoUBh. 383. 8 (*on* vi. 8. 6); योऽणिष्ठो रसः BṛĀraUBh. 508. 15 (*on* iv. 2. 3); 275. 1 (*on* ii. 2. 1); योऽन्नस्याणिष्ठो भागस्तन्मनः Bhām. 52. 1 (*on* ii. 4. 21); (परिधिः) अणिष्ठो ह्रसिष्ठो मध्यतः NyāyMāVi. 569. 15 (*on* x. 5. 26); अणिष्ठानां श्रुतं चाधिकरणं विधेयम् VidhiRa. 41 (201. 7) = S'ivārkaMaDī. i. 314. 26 (*on* i. 2. 1); VidhiRa. 41 (201. 15); गुदस्य विषमं त्रेधा विभक्तस्य यस्तृतीयोऽणिष्ठो भागः VīraMi. (S'aṁskāra) 985. 24; *m.* name of Jina श्रेष्ठोऽणिष्ठो गरिष्ठगीः MahāP. 25. 122.

अणिष्ठता (aṇiṣṭha-tā) *f.* minuteness त्रसरेणुमपि हि ततोऽणिष्ठतयाभिमतद्रव्यान्तरापेक्षया महिमगुणशालीति वदन्ति S'rutaPra. iA. 19. 15 (*on* i. 1. 1)

अणिष्ठधातु (aṇiṣṭha-dhātu) *m.* the most minute substance or constituent element of the body अन्नाप्स्नेहजातानि अणिष्ठधातुरूपेण मनःप्राणवाच उपचिन्वन्ति ChāndoUBh. 365. 15 (*on* vi. 5. 4)

अणिष्ठभाव (aṇiṣṭha-bhāva) *m.* the state of being extremely minute दर्शिकाग्नेययागार्थतण्डुलानां मध्यमस्थविष्ठाणिष्ठभावेन त्रेधा विभागोऽर्थ इति स्वारस्येन प्रतीयते S'ivārkaMaDī. i. 30. 31 (*on* i. 1. 1)

अणिष्ठमध्या (aṇiṣṭha-madhyā) *adj.* (*f.*) (verse) having the middle foot smaller (than the first and the third) त्रिपादणिष्ठमध्या पिपीलिकमध्या ChandaḥSū. 3. 57.

अणी (aṇī) *f.* **1** linch-pin धवलबलीवर्दपङ्क्तिरिव समाधुर्या वाणी मनो हरति NalCam. 4. 16(51) (comm. अनः शकटम् । अणीं वा । अक्षाग्रकीलिकामिव हरति वहतीत्यर्थः); **2** point of a spear अणी शूलाग्रं तद्युक्तो माण्डव्यः (अणीमाण्डव्यः) Nilakaṇṭha *on* MahāBhā. i. 101. 21; धाराभिश्च अणीभिश्च सुप्रयुक्तौ च जघ्नतुः SkandP. i(1). 30. 30; KalpaK. 104. 35; **3** tail (ब्रह्माणी ब्रह्मजननी) ब्रह्मरूपा अणी पुच्छम् LalitāSaBhā. 165. 34 (*on* 20)

अणीचि (aṇīci) *adj.* driver of a cart अणीचिः …त्रिषु शाकटिके मतः NānārthāSaṁ. ii. 58. 139; *m.* bamboo अणीचिस्तु पुमान् वेणौ NānārthāSaṁ. ii. 58. 139.

अणीचिन् (aṇīc-in) *m.* name of a sage तद्धाप्यणीची मौनो जाबालगृहपतीन् … पप्रच्छाह्वोऽगाता३ परुच्छेपा३ इति KauṣīBr. 23. 5 (105. 13)

अणीमन् (aṇīman) *m.* supernatural power of assuming the most minute form सिद्ध्योऽकृष्टपच्याः (v. l. सिद्धयोऽष्टावणीमाद्याः) SkandP. iv. 58. 134 (F. N. तत्र दीर्घश्छान्दसः)

अणीमाण्डव्य (aṇī-māṇḍavya) *m.* name of a sage (wrongly suspected to be a thief) शूले प्रोतः पुराणर्षिरचोरश्चोरशङ्कया । अणीमाण्डव्य इति वै विख्यातः सुमहायशाः MahāBhā. i. 57. 77; i. 101. 21.

अणीय (aṇ-īya) *adj.* [for अणीयस्] thin, minute अणीयरूपं क्षुरधारया तन्महच्च रूपं त्वपि पर्वतेभ्यः MahāBhā. v. 44. 22.

अणीयस् (áṇ-īyas) *adj.* [*f.* –ī] (comparative) **A i** (with animate beings) smaller पुरस्तात् पशुरणीयान् KāṭhS. 20. 10; KapiKaS. 31. 12; पशुः … शिरः स्थवीयोऽणीयस्यो ग्रीवा पार्श्वभ्यां वरीयान् PañcBr. xvi. 2. 6; जलौकसाम् … महान्तोऽदन्त्यणीयसः BhāgP. i. 15. 25; **A ii** more subtle, atomic अणोरणीयान् महतो महीयानात्मा TaiĀ. x. 10. 1 (800. 4); KāṭhU. 2. 20; S'vetāU. 3. 20; NāraPaU. 9. 13; NārāyUTāU. 81. 1(1); ParamāU. 9. 3; S'arabhU. 18; S'aṅkhaSm. 7. 20; DevīBhāP. vii. 34. 34; एष म आत्मान्तर्हृदयेऽणीयान् ChāndoU. iii. 14. 3; MaitrīU. 463. 4(7); अणोरणीयानहम् KaivaU. 1. 20; अणोरणीयांसमिममात्मानमोंकारं नो व्याचक्ष्व NṛsiṁhoTāU. 1; अणीयान् बिसोर्णाया यः सर्वमावृत्य तिष्ठति HirS'S. xxvi. 6. 10 = ĀpaDS. i(8). 23. 2; अणोरणीयान् … सर्वभूतेषु जागृमि MahāBhā. v. 45. 28; कविं पुराणम् …अणोरणीयांसमनुस्मरेद्यः MahāBhā. vi. 30. 9 (BhagGī. 8. 9); (प्राहुर्नारायणम्) अणीयसामणीयांसं स्थविष्ठं च स्थवीयसाम् MahāBhā. xii. 47. 15 = ViṣṇuDhaP. i. 52. 18; ManuSm. 12. 122; आधारभूतं विश्वस्याप्यणीयांसमणीयसाम् । प्रणम्य अच्युतम् ViṣṇuP. i. 2. 5 = BrahmP. 1. 25 = 180. 10; AhirbuS. 35. 88; 52. 42; नारायणमणीयांसं निराशीरयजत् प्रभुः BhāgP. ix. 18. 50; ii. 2. 25; BṛNāraP. 2. 52; 11. 51; अणीयसे विश्वविधारिणे नमः Kirātā. 18. 41; MahāP. 24. 43; ĀtmaTaVi. 812. 7; BhaviP. 550A. 4 (iii(4). 6. 18); AdhyāRā. vi. 3. 26; परमाणोरपि परं तदणीयो ह्यणीयसः YogVā. iii. 10. 32 = S'ārṅgaPa. 4256; VedāSaṁ. 115. 6; अणीयांश्च महीयांश्च भगवान् AnuVyā. 25A. 5 (*on* 2. 2); PañcDa. 6. 80; त्वाम् … मुनिजनः … अणीयांसम् … स्मरति देव YudhiVi. 6. 143; AmṛUda. 4. 73; **A iii** weaker (तं न पश्यामि फल्गुनम्) यः क्षमाशीलः क्षिप्यमाणोऽप्यणीयसा । ऋजुमार्गप्रपन्नस्य शर्मदाताभयस्य च MahāBhā. iii. 142. 13; HarVi. 11. 65; ननु जगत्त्रयाक्रमणकर्मठोरुविक्रमः किमित्येवमेतावत्यणीयसि रिपावार्यः स्वयमेनं कृपाणमादत्ते UdaySuKa. 6. 11; **B i** (with inanimate things) smaller ये स्थूला अङ्गारास्ते ऋतवो येऽणीयांसस्तेऽर्धमासाः KāṭhS. 6. 7; KapiKaS. 4. 6; विक्षुद्रमिव वा अन्तस्त्यमणीय इव च स्थवोय इव च AitBr. 4. 4 (88) = AitĀ. I. v. 1. 4; वज्रः … आरम्भणतोऽणीयान् ṢaḍviBr. iii. 3. 4; JaimiBr. 3. 295; द्वेधा तण्डुलान् कुर्वन्ति । स येऽणीयाꣳसः परिभिन्नास्ते बार्हस्पत्याः S'atBr. V. iii. 2. 7; (दन्ताः) अधर एवाग्रे जायन्तेऽथोत्तरे यस्मादणीयांसः S'atBr. XI. iv. 1. 5; XI. iv. 1. 13; GopBr. i. 3. 7; i. 3. 9; तस्य मध्ये वह्निशिखा अणीयोर्ध्वा व्यवस्थिता (accent and sandhi?) TaiĀ. x. 11. 2 (827. 4); GopīU. 66. 23; CaturveU. 21. 4; MahāU. 1; VāsuU. 406. 9; अरत्निमात्रेण पक्षाग्रावणीयांसौ भवतः BaudhS'S. ii. 307. 5; स्थविष्ठो मध्यमोऽणीयान् द्राघीयान् दक्षिणार्ध्योऽणिष्ठो ह्रसिष्ठ उत्तरार्ध्यः BhārS'S. i. 5. 8; ĀpaS'S. i. 5. 10; MānS'S. 8. 16; VārāS'S. I. ii. 1. 31; ĀgniveGS. ii. 3. 1 (55. 10); NyāyMāVi. 569. 15 (*on* x. 5. 26); (यूपम्) अग्रेऽणीयांसमष्टाश्रिं करोति BhārS'S. vii. 2. 8; ĀpaS'S. vii. 3. 2; HirS'S. iv. 1. 2; VaikhāS'S. 10. 2; अणीयांसं स्थवीयस्युपकर्षति MānS'S. 52. 1; अणीयसीं स्थवीयस्युपकर्षति VārāS'S. I. vi. 3. 22; मृद्देहिका …मुखाग्रेणाप्यणीयसा । करोति मृद्भारचयम् MārkP. 43. 52 = S'ārṅgaPa. 4614; HarṣaC. 253. 18; AvantiKa. 182. 17; अन्तः … अणीयसी या त्वदप्रथनकालिकास्ति मे । तामपीश परिमृज्य Stotrā. 13. 2; बिभ्रतीम् …रोमराजिमणीयसीम् IśānS'iPa. i. 15. 61; किमचलशिरोऽतिमहदिति वज्रमणीयो न दारयति SūktiRa. 99. 22; वेणी नाणीयशी(? सी)व … वीरलक्ष्म्या रणाग्रे EI. xiv. 220. 73; xiv. 344. 68; DṛṣṭāKaS'. 99; जालान्तरगते भानौ यदणीयो रजो भवेत् Hastyāyur. 22. 6 (1. 2); अथाभ्यषेचि तत्पुत्रो जडैः … अणीयःपत्रविस्फारः कुन्दो माघदिनैरिव RājTa. (Jo.) 39; **B ii** more subtle, atomic सर्वगतमपि व्योम …अणीयः BrahmSūBh. (S'aṅ.) 103. 1 (*on* i. 2. 7); पृथिव्यप्तेजांसि … स्थूलान्यणून्यणीयांसि S'ivārkaMaDī. ii. 190. 20 (*on* ii. 4. 18); **C i** (with abstract notions) small, insignificant सैषा सज्जनाचरिता सरणिर्यदणीयसि कारणेऽनणीयानादरः संदृश्यते DaśKuC. 121. 9; 100. 10; TattvSaṁ. 3; RāghPāṇ. (Dha.) 11. 9; स व्यधत्त करणीयमणीयः VakroJi. 106. 5; न च महाफलं ब्रह्मोपासनमणीयसे फलाय कल्पते Bhām. 150. 7 (*on* i. 1. 24); अणीयोभ्यः सुखेभ्यः … पुरुषाणामभिलाषः TantrRa. 175. 9; परमार्थदृशां न किमपि सारमणीयः S'āntiS'. 2. 1; अनुसंधानमत्राल्पमणीयोऽनुष्ठेयम् ManvaVi. 180. 6 (*on* 2. 106); YudhiVi. 6. 106; MayūSaṁ. 2. 37; प्रेमा विभावाद्यैः स्वल्पैर्नीतोऽप्यणीयसीम् । विभावनाद्यवस्थां तु BhaktiRaSi. ii. 1. 12; नाणीयसीमपि नृपोऽर्हति हन्त चिन्ताम् KaṁVa. 1. 39; ĀnandRa. 4. 18 (7); **C ii** too subtle to grasp धर्मो ह्यणीयान् वचनाद् बुद्धेश्च MahāBhā. xii. 128. 6; सूक्ष्मात् सूक्ष्मतमोऽणीयान् शीघ्रत्वं लघिमा गुणः MārkP. 40. 31; S'ārṅgaPa. 4544; ये पुनरप्राप्यकारि चक्षुराहुस्तेषां व्यवहितविप्रकृष्टार्थग्रहणं दुर्निवारम् … विप्रकर्षेऽपि … अणीयांसोऽप्यर्था गृह्येरन् PrakaPañ. 131. 4; **C iii** sharp ध्वनेः स्वरूपम् … अणीयसीभिरपि चिरन्तनकाव्यलक्षणविधायिनां बुद्धिभिरनुन्मीलितपूर्वम् Dhvanyā. 35. 2 (*on* 1. 1); **C iv** weaker, insufficient वाणी वाणीपतेर्यस्या वर्णनायामणीयसी TristhaSe. 1. 6; *n.* more minute thing यस्मान्नाणीयो न ज्यायोऽस्ति कश्चित् TaiĀ. x. 10. 3 (816. 1) (comm. ब्रह्मतत्त्वादणीयोऽत्यल्पं वस्तु नास्ति); Nir. 2. 3 (45. 16); TattvSa. (3) 126. 10.

अणीयस्क (aṇīyas-ká) *adj.* [DEBRU. p. 449] more minute बालादेकमणीयस्कमुतैकं नेव दृश्यते AV. x. 8. 25.

अणीयस्त्व (aṇīyas-tva) *n.* [DEBRU. p. 716] **i** minuteness (of word) व्याप्तिमत्त्वात्तु शब्दस्याणीयस्त्वाच्च शब्देन संज्ञाकरणं व्यवहारार्थं लोके Nir. 1. 2 (29. 3); **ii** the state of being more subtle (of Self etc.) अणीयस्त्वम् …जीवस्यावकल्पते … न तावदणीयस्त्वं ज्यायस्त्वं चोभयमेकस्मिन् समाश्रयितुं शक्यम् …प्रथमश्रुतत्वादणीयस्त्वं युक्तमाश्रयितुम् BrahmSūBh. (S'aṅ.) 97. 3 (*on* i. 2. 1); 102. 15 (*on* i. 2. 7); 462. 2 (*on* ii. 3. 29); अणीयस्त्वश्रुतिः …जीवस्य …अवकल्पते BrahmSūBh. (Bhā.) 37. 20 (*on* i 2. 1); 137. 22 (*on* ii. 3. 29); VedāntDī. 139. 11 (*on* ii. 4. 18); BrahmSūBh. (S'rī.) ii. 190. 5 (*on* ii. 4. 18); अणीयस्त्वं प्रकृतेरपि व्यापनयोग्यसूक्ष्मत्वम् S'rutaPra. iA. 237. 12 (*on* i. 1. 1); iB. 289. 18 (*on* i. 2. 1); ii. 403. 25 (*on* ii. 4. 18); स्वशब्देनैवाणीयस्त्वस्य व्यपदेशात् … अणीयस्त्वं च … उपासनाविशेषविवक्षया व्यपदिश्यते VedāntKau. 53. 5 (*on* i. 2. 7); 48. 6 (*on* i. 2. 1); NyāySu. (Ja.) 161A. 7 (*on* i. 2. 2); अन्यत्राणीयस्त्वम् … श्रूयते … महत्त्वाणीयस्त्वयोः … विकल्पः … छान्दोग्ये … अणीयस्त्ववर्णनानन्तरं ज्यायस्त्वकीर्तनम् S'ivārkaMaDī. ii. 315. 13 (*on* iii. 3. 19); i. 279. 27 (*on* i. 1. 26); i. 297. 26 (*on* i. 2. 1); i. 444. 10 (*on* i. 3. 20); ii. 190. 21 (*on* ii. 4. 18); अणीयस्त्वोपदेशाच्च जीव एव मनोमयः GoviBh. 30. 13 (*on* i. 2. 6); **iii** the state of being smaller परिधेश्चाणीयस्त्वान्न …नियोजनं च शक्यं कर्तुम् (पशोः) S'āstrDi.